



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्रतिष्ठापक से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 26, 1983/अग्रहायण 5, 1905
No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 26, 1983/AGRAHAYANA 5, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन सूचना

कार्यालय महात्मा आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रॉज,
केंद्रीय राजस्व भवन, स्टेशन मार्कट, जयपुर

जयपुर, 20 नवम्बर, 1983

आदेश संख्या राज/सहा० आ० अर्जन/2214.—यतः मुझे
मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० औद्योगिक
प्लॉट है तथा जो निवाड़ी में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय निवाड़ी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1983 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए, अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) या घन कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मैसर्स जी० सी० आयल इण्डस्ट्रीज, निवाई जरिए श्री माणकचन्द अशोक कुमार, राजेन्द्रकुमार पुनान श्री गुलाबचन्द, नार्थीदेवी पत्नि श्री गुलाबचन्द, शारदादेवी पत्नि श्री त्रिलोकचन्द, संतोष देवी पत्नि श्री भागचन्द निवासी निवाई—अन्तरक

(2) श्री मिठूलाल पुत्र श्री फुलचन्द निवासी ग्राम झरापा (पीपलू के पाम) तह० निवाई, जिला टोंक—(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

औद्योगिक क्षेत्र निवाई में स्थित प्लॉट जो उप पंजीयक, निवाई द्वारा क्रम संख्या 68/83 फरवरी, 83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTICES UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Office of the I.A.C. Acquisition Range,
Central Revenue Building,
Statue Circle, Jaipur

Jaipur, the 20th November, 1983

Ref. No. : Rej./IAC (Acq.)/2214.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot industrial situated at Niwai (and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a Niwai on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby indicate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- Shri Messrs G. C. Oil Industries, Niwai G.P.A.H. Shrimanank Chand, Ashok Kumar, Rajendra Kumar S/o Shri Gulab Chand, Nathi Devi W/o Shri Bhag Chand Niwasi Niwai.

(Transferor)

- Mitthulal S/o Phool Chand Niwasi village Jharapa (near Piploo) Tehsil Niwai Distt. Tonk. (Transferee).

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial area Plot situated in Niwai and more fully described in the sale deed Registered by the S. R. Niwai vide Registration No. 68/83 February, 1983.

आदेश संख्या राज / सहा० आ० अर्जन/2123 :—यतः मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो निवाई में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निवाई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री मैसर्स जी० सी० आर्यल इण्डस्ट्रीज निवाई ज़रिए श्री माणकचन्द, अशोक कुमार, राजेन्द्र कुमार पुत्रान गुलाबचन्द, श्रीमति नाथी देवी पत्नि गुलाबचन्द, श्रीमति शारदा देवी पत्नि त्रिलोकचन्द, संतोष देवी पत्नि भागचन्द (अन्तरक)

- (2) श्री माणकचन्द पुत्र श्रीकालू लाल निवासी ग्राम हगगा (पीपलू के पाम) तह० निवाई, जिला टोंक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

औद्योगिक क्षेत्र निवाई में स्थित प्लॉट जो उप पंजिक, निवाई द्वारा क्रम संख्या 69/83 फरवरी, 83 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

Ref. No. : Rej|IAC (Acq.)|2123.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot situated at Niwai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Niwai on February 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby indicate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri M/s. G.C. Oil Industries Niwai, G P. A.H. Manak Chand, Ashok Kumar, Rajendra Kumar S/o Gulab Chand, Smt. Nathi Devi W/o Gulab Chand, Smt. Sharda Devi W/o Tilak Chand, Santosh Devi W/o Bhag Chand.
(Transferor)

(2) Shri Manak Chand S/o Shri Kalu Lal Niwai, Village Jharapa (near Piplu) Tehsil Niwai, Dist. Tonk.
(Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Industrial area Plot situated in Niwai and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Niwai vide Registration No. 68/83 February, 83.

आदेश संख्या/राज/सहा० आ० अर्जन/2215 :- यतः मृजे मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० औद्योगिक प्लॉट है तथा जो निवाड़ी में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में

और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निवाड़ी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मैसर्स जी० सी० आयल इण्डस्ट्रीज निवाड़ी जरीण
श्री माणकचन्द, अशोक कुमार, राजेन्द्रकुमार पुत्रान
गुलाबचन्द, श्रीमति नाथी देवी पत्नि गुलाबचन्द,
श्रीमति शारदा देवी पत्नि त्रिलोकचन्द, सन्तोष देवी
पत्नि भागचन्द महाजन नि० निवाड़ी (अन्तरक)

(2) श्रीमती अनोखी देवी पत्नि श्री रामलाल जैन
निवासी ग्राम झरपा (पीपलू के पास) तह०
निवाड़ी, जिला टोंक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूर्ति

औद्योगिक क्षेत्र निवाई में स्थित प्लॉट जो उप पंजीयक, निवाई द्वारा क्रम संख्या 70/83 माह फरवरी, 83 में पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेज, जयपुर
के० आर० राघवण, अतिरिक्त सचिव

Ref. No. : Rej|IAC (Acq.) 2215.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot Industrial situated at Niwai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Niwai on February 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11

of 1922) or the said Act or the wealth-tax; 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Messrs G.C. Industries Niwai G.P.A.H. Shri Nanak Chand, Ashok Kumar, Rajendra Kumar S/o Gulab Chand, Smt. Nathi Devi W/o Gulab Chand, Smt. Sharda Devi, W/o Trilok Chand, Santosh Devi W/o Bhag Chand Mahajan Niwasi Niwai.

(Transferor)

(2) Smt. Anokhi Devi W/o Shri Ramlal Jain Niwasi, Village Jhurapa (Near Piploo) Tehsil Niwai Distt. Tonk.

(Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Industrial area. Plot situated in Niwai, and more fully described in the sale deed registered by the S.B. Niwas vide Registration No. 68/83 February 83.

MOHAN SINGH, Competent Authority

(b) facilitating the concealment of any income Acquisition range, Jaipur.

K. R. RAGHAVAN, Addl. Secy.

